सिन्धु घाटी सभ्यता या हड़प्पा सभ्यता

1. हड़प्पा सभ्यता का सर्वाधिक मान्यता प्राप्त काल है–
(अ) 2800 ई.पू. से 2000 ई.पू.
(ब) 2500 ई.पू. से 1750 ई.पू.
(स) 3500 ई.पू. से 1800 ई.पू.
(द) 2400 ई.पू. से 1850 ई.पू.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– रेडियोकार्बन C_{14} जैसी नवीन विश्लेषण पद्धति के द्वारा सिन्धु सभ्यता या हड़प्पा सभ्यता की सर्वमान्य तिथि 2500 ई.पू.–1750 ई.पू. मानी गयी है। सिन्धु सभ्यता की खोज रायबहादुर दयाराम साहनी ने की। सिन्धु सभ्यता को प्रागैतिहासिक अथवा कांस्य युग में रखा जा सकता है। इस सभ्यता के मुख्य निवासी द्रविड़ एवं भूमध्यसागरीय थे।
2. सिन्धु घाटी सभ्यता निम्नलिखित में से किस सभ्यता के समकालीन नहीं थी ?
(अ) मिस्र की सभ्यता
(ब) मेसोपोटामिया की सभ्यता
(स) चीन की सभ्यता
(द) ग्रीक की सभ्यता
उत्तर : (द)
व्याख्या– सिन्धु घाटी की सभ्यता, ग्रीक सभ्यता के समकालीन नहीं थी। मेसोपोटामिया में सैन्धव सभ्यता जैसे बर्तन, मोहरें तथा चूल्हे मिले हैं। मिस्र में मिले आभूषण और श्रृंगार प्रसाधन सैन्धव आभूषणों तथा श्रृंगार प्रसाधनों से मिलते–जुलते ही हैं। चीन की सभ्यता से प्राप्त चित्र भी सैन्धव सभ्यता के चित्रों के समान ही है।
3. सिन्धु घाटी की सभ्यता कहाँ तक विस्तृत थी ?
(अ) पंजाब, दिल्ली और जम्मू–कश्मीर
(ब) राजस्थान, बिहार और उड़ीसा
(स) पंजाब, राजस्थान, गुजरात, उड़ीसा और बंगाल
(द) पंजाब, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश हरियाणा, सिंध और बलूचिस्तान
उत्तर : (द)
व्याख्या–सिन्धु घाटी सभ्यता का सर्वाधिक पश्चिमी पुरास्थल दाश्क नदी के किनारे स्थित सुतकागेंडोर (बलूचिस्तान), पूर्वी पुरास्थल हिण्डन नदी के किनारे स्थित आलमगीरपुर (जिला मेरठ, उत्तर प्रदेश), उत्तरी पुरास्थल चिनाव नदी के किनारे स्थित माँडा (जम्मू–कश्मीर) और दक्षिणी पुरास्थल गोदावरी नदी के किनारे स्थित दाइमाबाद (जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र) में है। सिन्धु सभ्यता नगरीय सभ्यता थी। सिन्धु सभ्यता से प्राप्त परिपक्व अवस्था वाले स्थलों में केवल 6 को ही बड़े नगर की संज्ञा दी गई है। ये हैं–मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, गणवारीवाला, धौलावीरा, राखीगढ़ी एवं कालीबंगन। स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात् हड़प्पा संस्कृति के सर्वाधिक स्थल गुजरात में खोजे गये हैं।
4. सिन्धु सभ्यता से सम्बन्धित किस स्थल से घोड़े की अस्थियाँ मिली है ?
(अ) सुरकोटड़ा (ब) माँडा
(स) लोथल (द) राखीगढ़ी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सुरकोटड़ा, गुजरात राज्य के कच्छ जिले में स्थित है। यहाँ से घोड़े के अस्थि अवशेष मिले हैं। सुरकोटड़ा स्थल की खोज 1964 ई. में जे.पी. जोशी ने की थी। आमरी से बारहसिंहा का साक्ष्य मिला है। रोपड़ के एक कब्रिस्तान से मनुष्य के साथ पालतू कुत्ते के दफनाए जाने का प्रमाण मिला है। सुरकोटड़ा से एंटीमनी की एक छड़ भी प्राप्त हुई है।
5. सिन्धु घाटी स्थल कालीबंगन किस प्रदेश में है ?
(अ) राजस्थान में (ब) गुजरात में
(स) मध्य प्रदेश में (द) उत्तर प्रदेश में
उत्तर : (अ) SSC 2002
व्याख्या– सिंघु सभ्यता स्थल कालीबंगन अथवा कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित है। यह स्थल घग्घर नदी के किनारे स्थित है। सर्वप्रथम सन् 1952 में अमलानन्द घोष ने इसकी खोज की तथा बी. बी. लाल एवं बी. के. थापर ने सन् 1953 में उत्खनन कार्य किया। कालीबंगा का अर्थ है–काले रंग की चूड़ियाँ। जुते हुए खेत और नक्काशीदार ईंटों के प्रयोग का साक्ष्य यहीं से प्राप्त हुआ है। कालीबंगन एक मात्र हड़प्पाकालीन स्थल है, जिसका निचला शहर (सामान्य लोगों के रहने हेतु) भी किले से घिरा हुआ है।
6. निम्नलिखित में से किस पदार्थ का उपयोग हड़प्पा काल की मुद्राओं के निर्माण में मुख्य रूप से किया गया था ?
(अ) सेलखड़ी (ब) काँस्य
(स) ताँबा (द) लोहा
उत्तर : (अ) SSC 2002
व्याख्या– हड़प्पा काल की मुद्राओं के निर्माण में मुख्य रूप से सेलखड़ी का उपयोग किया जाता था। ये मुहरें आकार में मुख्यतः वर्गाकार होती थी। हड़प्पा की मुहरों पर सबसे अधिक एक श्रृंगी पशु का अंकन मिलता है। मोहनजोदड़ो से एक कांस्य निर्मित नर्तकी की मूर्ति मिली है। सिंधु प्रदेश से भारी संख्या में आग में पकी मिट्टी की मूर्तिकाएं (टेराकोटा) प्राप्त हुई है।

www.rajstudents.com

7. हड़प्पा सभ्यता किस युग से सम्बन्धित थी ?
(अ) काँस्य युग (ब) नवपाषाण युग
(स) पुरापाषाण युग (द) लौह युग
उत्तर : (अ) SSC 2001
व्याख्या– हड़प्पा सभ्यता को काँस्य युग की थी। सिन्धु सभ्यता की खोज दयाराम साहनी ने की और सर्वप्रथम हड़प्पा की खोज होने के कारण इसे हड़प्पा सभ्यता भी कहा जाता है। पाकिस्तान के मोंटगोमरी जिले में रावी नदी के किनारे स्थित सिन्धु सभ्यता स्थल :हड़प्पा' का उत्खनन कार्य वर्ष 1921 में दयाराम साहनी एवं माधोस्वरूप वत्स द्वारा किया गया।

8. सैंधव सभ्यता के लोगों का मुख्य व्यवसाय था–
(अ) व्यापार (ब) पशुपालन
(स) शिकार (द) कृषि
उत्तर : (द) SSC 2001
व्यवसायः– सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था। सिन्धु सभ्यता की मुख्य फसल गेहूँ और जौ थी। रंगपुर व लोथल से चावल के दाने मिले हैं, जिनसे धान की खेती होने का प्रमाण मिलता है। चावल के प्रथम साक्ष्य लोथल से ही प्राप्त हुए हैं। जुते हुए खेत और नक्काशीदार ईंटों के प्रयोग का साक्ष्य कालीबंगन (कालीबंगा) से प्राप्त हुए हैं। कपास की खेती सर्वप्रथम हड़प्पावासियों द्वारा की गई थी। कपास को यूनानी लोग सिन्डन कहते थे। चाँदी का प्रयोग भारत में प्रथम बार हड़प्पावासियों द्वारा किया गया। चैस (शतरंज) खेल की शुरुआत हड़प्पावासियों द्वारा की गई।

9. हड़प्पा सभ्यता के निवासी थे–
(अ) ग्रामीण (ब) शहरी
(स) खानाबदोश (द) जनजातीय
उत्तर : (ब) SSC 2001
व्याख्या– हड़प्पा सभ्यता या सिन्धु सभ्यता नगरीय सभ्यता थी। भारत का प्रथम नगरीकरण हड़प्पा सभ्यता द्वारा सैंधव सभ्यता (सिन्धु सभ्यता) से प्राप्त परिपक्व अवस्था वाले स्थलों में केवल छः को ही बड़े नगर की संज्ञा दी गयी है। ये छः नगर हैं– मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, कालीबंगन, राखीगढ़ी, धौलावीरा एवं गणवारीवाला। सिन्धु सभ्यता के लोगों ने नगरों तथा घरों के विन्यास के लिए ग्रीड पद्धति (जालनुमा) को अपनाया गया था। सिंघु घाटी सभ्यता में नगर की सड़कें एवं मकान सुनियोजित ढंग से बनाए जाते थे। घरों के दरवाजे और खिड़कियाँ सड़क की ओर न खुलकर पिछवाड़े की ओर खुलते थे। केवल लोथल नगर के घरों के दरवाजे मुख्य सड़क की ओर खुलते थे। लोथल और सुरकोटड़ा सिन्धु सभ्यता के प्रमुख बन्दरगाह थे। मनके बनाने के कारखाने लोथल एवं चन्हूदड़ो से मिले हैं।

10. सिन्धु सभ्यता के घर किससे बनाए जाते थे ?
(अ) ईंटों से (ब) बाँस से
(स) पत्थरों से (द) लौहा से
उत्तर : (अ) SSC 2001, RRB 2004
व्याख्या– सिन्धु सभ्यता में मकान बनाने के लिए मुख्यतः पक्की ईंटों का प्रयोग किया जाता था। नक्काशीदार ईंटों के प्रयोग का साक्ष्य कालीबंगन से प्राप्त हुआ है। ईंट को पहले धूप में सुखाकर और फिर आग में पकाकर प्रयोग में लाया जाता था। आग में पकी हुई मिट्टी को टेराकोटा कहा जाता था। ईंटें आयताकार आकार की होती थी। ईंट की लम्बाई, चौड़ाई और मोटाई का अनुपात 4:2:1 होता था।

11. हड़प्पावासी किस वस्तु के उत्पादन में सर्वप्रथम थे ?
(अ) मुद्राएँ (ब) कांसे के औजार
(स) कपास (द) जौ
उत्तर : (स) SSC 2001, RRB 2004
व्याख्या– कपास की खेती सर्वप्रथम हड़प्पावासियों द्वारा प्रारम्भ की गई थी।

12. निम्नलिखित विद्धानों में से हड़प्पा सभ्यता का सर्वप्रथम खोजकर्ता कौन था ?
(अ) सर जॉन मार्शल (ब) राखालदास बनर्जी
(स) ए. कनिंघम (द) दयाराम साहनी
उत्तर : (द) SSC 1999
व्याख्या– हड़प्पा सभ्यता (सिन्धु सभ्यता) की सर्वप्रथम खोज दयाराम साहनी ने की। वर्ष 1921 ई. में सर जॉन मार्शल के निर्देशन में दयाराम साहनी और माधोस्वरूप वत्स द्वारा हड़प्पा का उत्खनन कार्य किया गया। हड़प्पा पाकिस्तान के मोंटगोमरी जिले में रावी नदी के किनारे स्थित है।

13. सिन्धु सभ्यता का पत्तननगर (बंदरगाह) कौनसा था ?
(अ) कालीबंगन (ब) लोथल
(स) रोपड़ (द) मोहनजोदड़ो
उत्तर : (ब) SSC 1999, RRB 2005, UPPCS 1999
व्याख्या– हड़प्पा सभ्यता (सिन्धु सभ्यता) का प्रमुख पत्तननगर (बंदरगाह) 'लोथल' गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के किनारे स्थित था। देसपुर और सुरकोटड़ा (सुतकोतदा) भी हड़प्पा सभ्यता के बंदरगाह थे।

www.rajstudents.com

14. पैमानों की खोज ने यह सिद्ध कर दिया है कि सिंधु घाटी के लोग माप और तौल से परिचित थे। यह खोज कहाँ पर हुई थी ?
(अ) कालीबंगन (ब) हड़प्पा
(स) चन्हूदड़ो (द) लोथल
उत्तर : (द) SSC 1999, CDS 1998
व्याख्या– सिन्धु सभ्यता स्थल लोथल से पैमाना प्राप्त हुआ है जिससे प्रमाणित होता है कि हड़प्पावासी माप और तौल के लिए पैमाने का प्रयोग करते थे। तौल की इकाई सम्भवतः 16 के अनुपात में थी।

15. सिन्धु सभ्यता का सर्वाधिक उपयुक्त नाम है–
(अ) हड़प्पा सभ्यता (ब) सिंधु सभ्यता
(स) सिंधु घाटी सभ्यता (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सिंघु घाटी सभ्यता का सर्वाधिक उपयुक्त नाम हड़प्पा सभ्यता माना गया है क्योंकि सर्वप्रथम पुरास्थल हड़प्पा की खोज हुई थी। इस सभ्यता के लिए साधारणतया तीन नामों का प्रयोग होता है–सिंघु सभ्यता, सिंधु घाटी सभ्यता और और हड़प्पा सभ्यता।

16. हड़प्पकालीन समाज किन वर्गों में विभक्त था ?
(अ) शिकारी, पुजारी, किसान और क्षत्रिय
(ब) विद्वान, योद्धा, व्यापारी और श्रमिक
(स) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र
(द) राजा, पुरोहित, सैनिक और शूद्र
उत्तर : (ब)
व्याख्या– हड़प्पाकालीन समाज चार वर्गों क्रमशः विद्वान, योद्धा, व्यापारी और श्रमिक में विभक्त था।

17. हड़प्पा सभ्यता की खोज किस वर्ष हुई थी ?
(अ) 1935 ई. (ब) 1942 ई.
(स) 1901 ई. (द) 1921 ई.
उत्तर : (द) SSC 2004
व्याख्या– हड़प्पा सभ्यता (सिंधु सभ्यता) की खोज वर्ष 1921 ई. में रायबहादुर दयाराम साहनी ने की थी। इन्होंने माधोस्वरूप वत्स के साथ वर्ष 1921 ई. में सर जॉन मार्शल के निर्देशन में हड़प्पा का उत्खनन कार्य किया। सिन्धु सभ्यता का खोजा गया प्रथम स्थल हड़प्पा होने के कारण इसे हड़प्पा सभ्यता भी कहा जाता है। हड़प्पा पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त के मोंटगोमरी जिले में रावी नदी के किनारे स्थित है।

18. हड़प्पा के लोगों की सामाजिक पद्धति थी–
(अ) उचित समतावादी (ब) दास–श्रमिक आधारित
(स) वर्ण आधारित (द) जाति आधारित
उत्तर : (अ) SSC 1999
व्याख्या– हड़प्पा के लोगों की सामाजिक पद्धति उचित समतावादी थी और किसी प्रकार का वर्ण भेद नहीं था जबकि ऋग्वैदिक समाज चार वर्णों– ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र में विभक्त था। यह विभाजन व्यवसाय पर आधारित था। ऋग्वेद के 10वें मंडल के पुरुषसूक्त में इन चारों वर्णों उल्लेख मिलता है, जिसमें कहा गया है कि ब्राह्मण परम पुरुष के मुख से, क्षत्रिय उनकी भुजाओं से, वैश्य उनकी जाँघों से तथा शूद्र उनके पैरों से उत्पन्न हुए हैं। उत्तरवैदिक काल में वर्ण व्यवसाय की बजाय जन्म के आधार पर निर्धारित होने लगा।

19. हड़प्पा सभ्यता के बारे में कौनसी उक्ति सही है ?
(अ) उन्हें अश्वमेध की जानकारी थी
(ब) गाय उनके लिए पवित्र थी
(स) उन्होंने पशुपति का सम्मान करना आरंभ किया
(द) उनकी संस्कृति सामान्यतः स्थिर नहीं थी
उत्तर : (स) SSC 1999
व्याख्या– मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक शील पर तीन मुख वाले देवता (पशुपति नाथ) की मूर्ति मिली है। उनके चारों ओर हाथी, गैंडा, चीता एवं भैंसा विराजमान है। हड़प्पा की मुहरों पर सबसे अधिक एक श्रृंगी पशु का अंकन मिलता है। पशुओं में कूबड़ वाला साँड, इस सभ्यता के लोगों के लिए विशेष पूजनीय था।

20. 'सिंध का नखलिस्तान/बाग' हड़प्पा सभ्यता के किस पुरास्थल को कहा गया ?
(अ) हड़प्पा (ब) मोहनजोदड़ो
(स) कालीबंगा (द) लोथल
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मोहनजोदड़ो को सिंध का बाग, मुर्दों का टीला तथा नखलिस्तान भी कहा जाता है। मोहनजोदड़ो पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में स्थित है। इसकी खोज राखलदास बनर्जी ने वर्ष 1922 ई. में की थी। मोहनजोदड़ो सिन्धु नदी के किनारे स्थित है।

21. हड़प्पा सभ्यता के सम्पूर्ण क्षेत्र का आकार किस प्रकार का था ?
(अ) वर्गाकार (ब) आयताकार
(स) त्रिभुजाकार (द) गोलाकार
उत्तर : (स)
व्याख्या– हड़प्पा सभ्यता के सम्पूर्ण क्षेत्र का आकार त्रिभुजाकार था। सिंधु सभ्यता का सर्वाधिक पश्चिमी पुरास्थल सुतकांगेंडोर (बलूचिस्तान), पूर्वी पुरास्थल आलमगीरपुर (जिला–मेरठ, उत्तर प्रदेश) उत्तरी पुरास्थल माँडा (जि.–अखनूर, जम्मू–कश्मीर) तथा दक्षिणी पुरास्थल दाइमाबाद (जि.–अहमदनगर, महाराष्ट्र)। यह क्षेत्र आधुनिक पाकिस्तान से तो

बड़ा है ही, प्राचीन मिस्र और मेसोपोटामिया से भी बड़ा है।

22. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :

सूची–I (स्थल)	सूची–II (नदी)
A. हड़प्पा	1. रावी
B. मोहनजोदड़ो	2. सिंधु
C. लोथल	3. भोगवा
D. कालीबंगा	4. घग्घर

(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 2, B – 1, C – 4, D - 3
(स) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(द) A – 1, B – 2, C – 4, D - 3
उत्तर : (अ)
व्याख्या– हड़प्पा पाकिस्तान के मोंटगोमरी जिले में रावी नदी के किनारे स्थित है। मोहनजोदड़ो पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में सिन्धु नदी के किनारे स्थित है। लोथल गुजरात राज्य के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी (साबरमती नदी) के किनारे स्थित है। कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी के बाएं तट पर स्थित है।

23. हड़प्पा सभ्यता के अंतर्गत हल से जोते गये खेत का साक्ष्य कहाँ से मिला है ?
(अ) रोपड़ (ब) लोथल
(स) कालीबंगा (द) बनमाली
उत्तर : (स)
व्याख्या– जुते हुए खेत और नक्काशीदार ईंटों के प्रयोग का साक्ष्य कालीबंगन (कालीबंगा) से प्राप्त हुआ है। यहाँ से हवनकुण्ड, तथा बलि प्रथा और भू–कम्पन के प्रमाण भी मिले हैं। कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी के किनारे स्थित है। सन् 1952 में अमलानन्द घोष ने इसकी खोज की तथा बी. बी. लाल एवं बी. के. थापर ने सन् 1953 में उत्खनन कार्य किया। कालीबंगा का अर्थ है–काले रंग की चूड़ियाँ। कालीबंगा एक मात्र हड़प्पाकालीन स्थल था, जिसका निचला शहर (सामान्य लोगों के रहने हेतु) भी किले से घिरे हुआ था।

24. सैंधव सभ्यता की ईंटों का अलंकरण किस स्थान से मिला है ?
(अ) कालीबंगा (ब) चन्हूदड़ो
(स) मोहनजोदड़ो (द) बनमाली / बणावली
उत्तर : (अ) RRB 2005
व्याख्या– सैंधव सभ्यता की ईंटों का अलंकरण कालीबंगा से प्राप्त हुआ है। कालीबंगा में हवनकुंड तथा बलि प्रथा, जुते हुए खेत (हल के साक्ष्य), अलंकृत ईंट और भू–कम्पन के प्रमाण मिले हैं। कालीबंगन (कालीबंगा) राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित है। यह स्थल घग्घर नदी के किनारे स्थित है। सर्वप्रथम सन् 1952 में अमलानन्द घोष ने इसकी खोज की तथा बी. बी. लाल एवं बी. के. थापर ने सन् 1953 में उत्खनन कार्य किया।

25. मोहनजोदड़ों कहाँ स्थित है ?
(अ) पंजाब (ब) सिंध
(स) गुजरात (द) उत्तर प्रदेश
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या–'मोहनजोदड़ो' पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में सिन्धु नदी के किनारे स्थित प्रमुख सिन्धु सभ्यता स्थलों में से एक है। इसकी खोज राखालदास बनर्जी ने वर्ष 1922 ई. में की थी। हड़प्पा के बाद मोहनजोदड़ों प्रमुख सिन्धु सभ्यता स्थल है। मोहनजोदड़ो का अर्थ मृतकों का टीला है। पिग्गट ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ों को एक विस्तृत साम्राज्य की जुड़वां राजधानी कहा है।

26. सिंधु सभ्यता में वृहत् स्नानागार पाया गया है–
(अ) मोहनजोदड़ो में (ब) हड़प्पा में
(स) लोथल में (द) कालीबंगा में
उत्तर : (अ) RRB 2005
व्याख्या– 'मोहनजोदड़ो' पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में सिन्धु नदी के किनारे स्थित प्रमुख सिन्धु सभ्यता स्थलों में से एक है। इसकी खोज राखालदास बनर्जी ने वर्ष 1922 ई. में की थी। मोहनजोदड़ों से प्राप्त वृहत् स्नानागार एक प्रमुख स्मारक है जिसके मध्य में 11.88 मीटर लम्बा, 7.01 मीटर चौड़ा एवं 2.43 मीटर गहरा है। मोहनजोदड़ो से प्राप्त अन्नागार सैंधव सभ्यता की सबसे बड़ी इमारत है। मोहनजोदड़ो से नर्तकी की एक कांस्य मूर्ति मिली है। मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक शील पर तीन मुख वाले देवता (पशुपति नाथ) की मूर्ति मिली है। उनके चारों ओर हाथी, गैंडा, चीता एवं भैंसा विराजमान है।

27. सिंधु सभ्यता की मुद्रा में किस देवता के समतुल्य चित्रांकन मिलता है ?
(अ) आद्य शिव (ब) आद्य ब्रह्मा
(स) आद्य विष्णु (द) आद्य इन्द्र
उत्तर : (अ) RRB 2005
व्याख्या– सिन्धु सभ्यता में प्राप्त कुछ मुहरों पर एक आकृति, जिसे पालथीमार कर योगी की मुद्रा में बैठा दिखाया गया है और कभी–कभी जिसे जानवरों से घिरा दिखाया गया है, को हिन्दू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक आद्य शिव के आरंभिक रूप की संज्ञा दी गई है। सैंधव स्थल

मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक शील पर तीन मुख वाले देवता (पशुपति नाथ) की मूर्ति मिली है। उनके चारों ओर हाथी, गैंडा, चीता एवं भैंसा विराजमान है जिसे हिन्दू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक आद्य शिव के आरंभिक रूप में जाना जाता है।

28. निम्नलिखित में से कौनसा हड़प्पाकालीन स्थल गुजरात में था ?
(अ) कालीबंगा (ब) रोपड़
(स) बणावली (द) लोथल
उत्तर : (द) RRB 2005
व्याख्या– 'लोथल' गुजरात राज्य के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी (साबरमती का प्राचीन नाम) के किनारे स्थित है। इस स्थल का उत्खनन कार्य वर्ष 1953–54 में रंगनाथ राव द्वारा किया गया। कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी के किनारे स्थित है। रोपड़ पंजाब राज्य के रोपड़ जिले में सतलज नदी के किनारे स्थित है। बणावली (बनमाली) हरियाणा राज्य के हिसार जिले में रंगोई नदी के किनारे स्थित है।

29. मोहनजोदड़ों को किस एक अन्य नाम से भी जाना जाता है ?
(अ) जीवितों का टीला (ब) कंकालों का टीला
(स) दासों का टीला (द) मृतकों का टीला
उत्तर : (द) RRB 2004
व्याख्या– मोहनजोदड़ो को सिंध का बाग, मुर्दों का टीला तथा नखलिस्तान भी कहा जाता है। मोहनजोदड़ो पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में सिन्धु नदी के किनारे स्थित है। इसकी खोज राखालदास बनर्जी ने वर्ष 1922 ई. में की थी।

30. हड़प्पा सभ्यता का प्रचलित नाम है–
(अ) सिंधु सभ्यता
(ब) लोथल सभ्यता
(स) सिंधु घाटी सभ्यता
(द) मोहनजोदड़ो की सभ्यता
उत्तर : (स)
व्याख्या– हड़प्पा सभ्यता का प्रचलित नाम सिन्धु घाटी सभ्यता या सिंधु सभ्यता है।

31. सिंधु सभ्यता जानी जाती है–
(अ) अपने नगर नियोजन के लिए
(ब) मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा के लिए
(स) अपने कृषि संबंधी कार्यों के लिए
(द) अपने उद्योगों के लिए
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सिंघु अथवा सैंधव सभ्यता एक नगरीय सभ्यता थी। सैंधव सभ्यता से प्राप्त परिपक्व अवस्था वाले स्थलो में केवल छः को ही बड़े नगरों की संज्ञा दी गई है– मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, गणवारीवाला, धौलावीरा, राखीगढ़ी और कालीबंगन (कालीबंगा)

32. सैंधव स्थलों के उत्खनन से प्राप्त मुहरों पर निम्नलिखित में से किस पशु का सर्वाधिक उत्कीर्णन हुआ है ?
(अ) शेर (ब) घोड़ा
(स) बैल (द) हाथी
उत्तर : (स)
व्याख्या– कूबड़ वाला बैल का चित्रांकन मुहरों पर अधिक मिलता है तथा एक श्रृंगी बैल का चित्र भी मिलता है, जो पशु पूजा का प्रमाण है।

33. सिंधु सभ्यता का कौनसा स्थान भारत में स्थित है ?
(अ) हड़प्पा (ब) मोहनजोदड़ो
(स) लोथल (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोथल प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के शहरों में से एक बहुत ही महत्वपूर्ण शहर है। यह स्थल गुजरात राज्य में स्थित है।

34. भारत में खोजा गया सबसे पहला पुराना शहर था–
(अ) हड़प्पा (ब) मोहनजोदड़ो
(स) कालीबंगा (द) रोपड़
उत्तर : (अ) SSC 2003
व्याख्या– भारत में खोजा गया सबसे पहला पुराना शहर हड़प्पा था। इसकी खुदाई वर्ष 1921 में उत्खननकर्ता दयाराम साहनी द्वारा की गई थी।

35. माँडा (जम्मू–कश्मीर) किस नदी के किनारे स्थित था ?
(अ) चिनाब (ब) सतलज
(स) रावी (द) सिंधु
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सिंघु सभ्यता का सर्वाधिक उत्तरी पुरास्थल 'मांडा' जम्मू–कश्मीर राज्य में चिनाब नदी के किनारे स्थित है।

36. भारत में चाँदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य मिलते हैं–
(अ) हड़प्पा संस्कृति में
(ब) पश्चिमी भारत की ताम्रपाषाण संस्कृति में
(स) वैदिक संहिताओं में
(द) चाँदी के आहत मुद्राओं में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में चाँदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य हड़प्पा संस्कृति में मिलते हैं।

www.rajstudents.com

37. सिंधु सभ्यता के बारे में कौनसा कथन असत्य है ?
(अ) नगरों में नालियों की सुदृढ़ व्यवस्था थी
(ब) व्यापार और वाणिज्य उन्नत दशा में था
(स) मातृदेवी की उपासना की जाती थी
(द) लोग लोहे से परिचित थे
उत्तर : (द)
व्याख्या– हड़प्पा सभ्यता एक कांस्ययुगीन सभ्यता थी। यहाँ से तांबा, कांसा, स्वर्ण और चाँदी आदि धातुएँ तो मिली हैं परंतु लोहे की प्राप्ति नहीं हुई है। भारत में लौह युग का प्रारंभ उत्तर वैदिक काल (लगभग 1000 ई.पू.) से माना जाता है।

38. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I
A. सिंधु सभ्यता की उत्तरी सीमा
B. सिंधु सभ्यता की दक्षिणी
C. सिंधु सभ्यता की पूर्वी सीमा
D. सिंधु सभ्यता की पश्चिमी सीमा
सूची–II
1. माँडा (जम्मू–कश्मीर)
2. दैमाबाद (महाराष्ट्र)
3. आलमगीरपुर (उत्तर प्रदेश)
4. सुतकागेंडोर (बलूचिस्तान)
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 2, B – 1, C – 4, D - 3
(स) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(द) A – 1, B – 2, C – 4, D - 3
उत्तर : (अ)

39. सिंधु घाटी सभ्यता को खोज निकालने में जिन दो भारतीयों का नाम जुड़ा हैं–
(अ) दयाराम साहनी एवं राखालदास बनर्जी
(ब) जॉन मार्शल एवं ईश्वरी प्रसाद
(स) माधोस्वरूप वस्त एवं बी.बी. राव
(द) रंगनाथ राव एवं यज्ञदत्त शर्मा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सिंधु घाटी सभ्यता को खोज निकालने में दो भारतीयों क्रमशः राखालदास बनर्जी एवं दयाराम साहनी का नाम जुड़ा है। राखालदास बनर्जी ने वर्ष 1922 में पाकिस्तान के लरकाना जिले में सिन्धु नदी के किनारे स्थित स्थल मोहनजोदड़ो की खोज की। दयाराम साहनी ने माधोस्वरूप वत्स के साथ मिलकर वर्ष 1921 में पाकिस्तान के मोंटगोमरी जिले में स्थित स्थल हड़प्पा की खोज की। रंगपुर और लोथल की खोज रंगनाथ राव ने की। सर्वप्रथम सन् 1952 में अमलानन्द घोष ने कालीबंगा की खोज की तथा बी. बी. लाल एवं बी.के. थापर ने सन् 1953 में कालीबंगा का उत्खनन कार्य किया।

40. हड़प्पाकालीन स्थल रोपड़ (पंजाब) किस नदी के किनारे स्थित था ?
(अ) चिनाब (ब) सतलज
(स) सिंधु (द) रावी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– हड़प्पाकालीन स्थल 'रोपड़' पंजाब राज्य में सतलज नदी के किनारे स्थित था।

41. हड़प्पा में एक उन्नत जल प्रबंधन प्रणाली का पता चलता है–
(अ) धौलावीरा में (ब) लोथल में
(स) कालीबंगा में (द) आलमगीरपुर में
उत्तर : (अ) BPSC 2004
व्याख्या– धौलावीरा स्थल की खुदाई से एक विशाल सैन्धवकालीन नगर के अवशेष और एक उन्नत जल–प्रबंधन प्रणाली का पता चला है। धौलावीरा गांव खडीर द्वीप के उत्तरी–पश्चिमी किनारे बसा है।

42. हड़प्पा के मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यतः किस रंग का उपयोग हुआ था ?
(अ) लाल (ब) नीला–हरा
(स) पीला (द) काला
उत्तर : (अ) BPSC 1995
व्याख्या– हड़प्पा पुरास्थल पाकिस्तान के साहीवाल जिले में, रावी नदी के बायें तट पर स्थित है। हड़प्पा के ध्वंशावशेषों के बारे में सन् 1826 ई. में चार्ल्स मैसन ने सर्वप्रथम उल्लेख किया । हड़प्पा से प्राप्त मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यतः लाल रंग के उपयोग होने की जानकारी प्राप्त होती है।

43. सिन्धु सभ्यता निम्नलिखित में से किस युग से सम्बन्धित है ?
(अ) ऐतिहासिक काल
(ब) प्रागैतिहासिक काल
(स) उत्तर–प्रागैतिहासिक काल
(द) आद्य ऐतिहासिक काल
उत्तर : (द) BPSC 1994
व्याख्या– सैंधव सभ्यता आद्य–ऐतिहासिक काल की सभ्यता है क्योंकि यहाँ पर लेखन कला का ज्ञान तो है, परन्तु अभी तक इसे पढ़ा नहीं जा सका है। जिस काल में मनुष्य ने घटनाओं का कोई लिखित विवरण उद्धत नहीं किया, उसे प्रागैतिहासिक काल कहते हैं। मानव विकास के उस काल को इतिहास कहा जाता है जिसका विवरण लिखित रूप में उपलब्ध है। जिस काल में लेखनकला के प्रचलन के बाद उपलब्ध लेख नहीं पढ़े जा सके, उसे आद्य–ऐतिहासिक काल कहते हैं। सिन्धु सभ्यता

www.rajstudents.com

की लिपि भावचित्रात्मक थी। यह लिपि दाईं से बाईं ओर लिखी जाती थी। जब अभिलेख एक से अधिक पंक्तियों का होता था तो पहली पंक्ति दाईं से बाईं ओर तथा दूसरी पंक्ति बाईं से दाईं ओर लिखी जाती थी। सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि को अभी तक पढ़ा नहीं जा सका।

44. सिंधु घाटी सभ्यता की विकसित अवस्था में निम्नलिखित में से किस स्थल में घरों में कुओं के अवशेष मिले हैं ?
(अ) हड़प्पा (ब) कालीबंगा
(स) लोथल (द) मोहनजोदड़ो
उत्तर : (द) UPPCS 2004
व्याख्या– मोहनजोदड़ो की जल निकास प्रणाली अद्भुत थी। लगभग प्रत्येक नगर के हर छोटे या बड़े मकान में प्रांगण और स्नानागार होते थे। घरों का पानी बहकर सड़कों तक आता जहाँ इनके नीचे मोरियां (नालियाँ) बनी थीं। अक्सर ये मोरियां ईंटों और पत्थर की सिल्लियों से ढकी होती थी।

45. मोहनजोदड़ो से प्राप्त पशुपति शिव/आद्य शिव मुहर में किन–किन जानवरों का अंकन हुआ है ?
(अ) व्याघ्र एवं हाथी (ब) गैंडा एवं भैंसा
(स) हिरण (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– सिन्धु सभ्यता में प्राप्त कुछ मुहरों पर एक आकृति, जिसे पालथीमार कर योगी की मुद्रा में बैठा दिखाया गया है और कभी–कभी जिसे जानवरों से घिरा दिखाया गया है, को हिन्दू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक आद्य शिव के आरंभिक रूप की संज्ञा दी गई है। सैंधव स्थल मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक शील पर तीन मुख वाले देवता (पशुपति नाथ) की मूर्ति मिली है। उनके चारों ओर हाथी, गैंडा, चीता एवं भैंसा विराजमान है जिसे हिन्दू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक आद्य शिव के आरंभिक रूप में जाना जाता है।

46. रंगपुर जहाँ हड़प्पा की समकालीन सभ्यता थी, है–
(अ) पंजाब में (ब) उत्तर प्रदेश में
(स) सौराष्ट्र में (द) राजस्थान में
उत्तर : (स) RAS/RTS 2000
व्याख्या– सौराष्ट, भारत के गुजरात प्रान्त का एक उपक्षेत्र है, जो ज्यादातर अर्धमरुस्थलीय है। इस उपक्षेत्र में स्थित काठियावाड़ कच्छ की खाड़ी और खम्भात की खाड़ी के बीच का क्षेत्र है और वर्तमान में गुजरात राज्य का जिला है। इसी काठियावाड़ जिले में मादर नदी के किनारे स्थित रंगपुर में हड़प्पा की समकालीन सभ्यता थी। रंगपुर स्थल का उत्खनन कार्य वर्ष 1953–54 में रंगनाथ राव ने किया था।

47. हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो की पुरातात्विक खुदाई के प्रभारी थे–
(अ) मैकाले (ब) सर जान मार्शल
(स) लार्ड क्लाइव (द) कर्नल टॉड
उत्तर : (ब) RAS/RTS 1998
व्याख्या– सर जॉन मार्शल सन् 1902 से 1928 तक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक रहे थे। इन्हीं के निर्देशन में वर्ष 1921 में दयाराम साहनी एवं माधोस्वरूप वत्स द्वारा पाकिस्तान के मोंटगोमरी जिले में रावी नदी के किनारे स्थित हड़प्पा का उत्खनन कार्य किया गया तथा वर्ष 1922 में राखालदास बनर्जी द्वारा पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में सिन्धु नदी के किनारे स्थित मोहनजोदड़ों का उत्खनन कार्य किया गया।

48. निम्नलिखित में से किस पशु की आकृति जो मुहर पर मिली है, जिससे ज्ञात होता है कि सिंधु घाटी एवं मेसोपोटामिया की सभ्यताओं के मध्य व्यापारिक संबंध थे–
(अ) घोड़ा (ब) गधा
(स) बैल (द) हाथी
उत्तर : (स) RAS/RTS 1995
व्याख्या– मेसोपोटामिया के अभिलेखों में वर्णित मेलूहा शब्द का अभिप्राय सिन्धु सभ्यता से ही है। हड़प्पा की मोहरों पर सबसे अधिक एक सींग वाले बैल की आकृति का अंकन मिलता है। लोथल एवं सुरकोटड़ा सिन्धु सभ्यता के प्रमुख बन्दरगाह थे। मेसोपोटामिया से लाजवर्द का आयात होता था। लाजवर्द एक मूल्यवान नीले रंग का पत्थर है।

49. सिंधु घाटी के लोग विश्वास करते थे–
(अ) आत्मा और ब्रह्म में (ब) कर्मकाण्ड में
(स) यज्ञ प्रणाली में (द) मातृशक्ति में
उत्तर : (द) RAS/RTS 1993
व्याख्या– सिन्धु सभ्यता में मातृदेवी की उपासना सर्वाधिक प्रचलित थी। स्त्री मृण्मूर्तियाँ (मिट्टी की मूर्तियाँ) अधिक मिलने से ऐसा अनुमान लगाया जाता है कि सैंधव समाज मातृसत्तात्मक था। मोहनजोदड़ों से नर्तकी की एक कांस्य मूर्ति मिली है। सिन्धु सभ्यता के लोग धरती को उर्वरता की देवी मानकर उसकी पूजा करते थे। पशुओं में कूबड़ वाला साँड विशेष पूजनीय था। मोहनजोदड़ों से प्राप्त एक शील पर तीन मुख वाले देवता (पशुपतिनाथ) की मूर्ति मिली है, जिसके चारों ओर हाथी, गैंडा, चीता एवं भैंसा विराजमान है। सिंधु घाटी के नगरों में किसी भी मंदिर के अवशेष नहीं मिले हैं।

www.rajstudents.com

50. निम्नलिखित में कौनसा सिंधु स्थल समुद्र तट पर स्थित नहीं था ?
(अ) सुरकोटड़ा (ब) लोथल
(स) बालाकोट (द) कोटदीजी
उत्तर : (द)
व्याख्या– कोटदीजी' पाकिस्तान के सिंध प्रांत के खैरपुर नामक स्थान पर स्थित प्राचीन सैंधव सभ्यता का एक केन्द्र था। कोटदीजी, मोहनजोदड़ो के नजदीक सिन्धु नदी के किनारे स्थित है। सर्वप्रथम इसकी खोज धुर्ये ने 1935 ई में की तथा नियमित खुदाई का कार्य 1953 ई. में फजल अहमद खान द्वारा कराया गया था। कोटदीजी समुद्र तट के निकट नहीं था। बालाकोट, बलूचिस्तान के दक्षिणी तटवर्ती पर स्थित था। इसका उत्खनन 1963–70 के बीच जॉर्ज एफ. डेल्स द्वारा किया गया। यह स्थल एक बन्दरगाह के रूप में था। बालाकोट का सबसे समृद्ध उद्योग सीप उद्योग था। सिन्धु सभ्यता स्थल लोथल, सुरकोटड़ा एवं बालाकोट समुद्र तट के किनारे स्थित थे।

51. निम्नलिखित में से कौन मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी इमारत मानी जाती है ?
(अ) विशाल अन्नागार/धान्यकोठार
(ब) स्तम्भ हाल
(स) सभा भवन
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी इमारत अन्न–कोठार है। मोहनजोदड़ो का धान्यागार 45.72 मीटर लम्बा तथा 22.86 मीटर चौड़ा था, जो कि वहाँ सबसे बड़ा भवन था।

52. हड़प्पाकालीन लोगों ने नगरों में घरों के विन्यास के लिए कौनसी पद्धति अपनायी थी ?
(अ) कमल पुष्प की आकृति का
(ब) गोलाकार आकृति में
(स) ग्रीड पद्धति में
(द) त्रिभुजाकार आकृति में
उत्तर : (स)
व्याख्या– हड़प्पाकालीन लोगों ने नगरों में घरों के विन्यास के लिए सामान्यतः ग्रीड पद्धति अपनायी थी। यहाँ बड़े–बड़े घर, चौड़ी सड़कें और बहुत सारे कुएँ होने का प्रमाण मिलते हैं। यहाँ जल और मल निकासी के लिए नालियों के होने के प्रमाण भी मिलते हैं। इससे पता चलता है कि यह नगर वर्तमान के नगरों जैसे ही विकसित और भव्य थे।

53. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (प्राचीन स्थल)
A. लोथल
B. कालीबंगन
C. धौलावीरा
D. बनवाली/बनमाली
सूची–II (पुरातत्वीय अवशेष)
1. जुता हुआ खेत
2. गोदीबाड़ा (डोकयार्ड)
3. पकी मिट्टी की बनी हुई हल की प्रतिकृति
4. हड़प्पाई लिपि के बड़े आकार के दस चिन्हों वाला एक शिलालेख
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 2, B – 1, C – 4, D - 3
(स) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(द) A – 1, B – 2, C – 4, D - 3
उत्तर : (ब)
व्याख्या– गुजरात राज्य में स्थित पुरास्थल लोथल के पूर्वी भाग में गोदीवाड़ा (बंदरगाह/डॉकयार्ड) का साक्ष्य मिला है। जुते हुए खेत, नक्काशीदार ईंटों के प्रयोग का साक्ष्य कालीबंगन से प्राप्त हुआ है। धौलावीरा से दस बड़े अक्षरों में लिखा एक सूचना पट्ट का प्रमाण मिला है। बनवाली से हल की आकृति का खिलौना मिला है।

54. निम्नलिखित पशुओं में से किस एक का हड़प्पा सभ्यता में पाई मुहरों और टेराकोटा कलाकृतियों में निरूपण/अंकन नहीं हुआ था ?
(अ) शेर (ब) हाथी
(स) गैंडा (द) बाघ
उत्तर : (अ)
व्याख्या– हड़प्पा संस्कृति की मुहरों एवं टेराकोटा कलाकृतियों में शेर का चित्रण नहीं मिलता जबकि हाथी, गैंडा, बाघ, हिरन, भेड़ आदि का अंकन मिलता है।

55. हड़प्पा के काल का ताँबे का रथ किस स्थान से प्राप्त हुआ है ?
(अ) कुणाल (ब) राखीगढ़ी
(स) दैमाबाद (द) बनमाली/बणावली
उत्तर : (स) CgPSC 2013
व्याख्या– हड़प्पा के काल का ताँबे का रथ दैमाबाद (दाइमाबाद) से प्राप्त हुआ है। 'दैमाबाद' महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर जिले में गोदावरी नदी की सहायक प्रवरा नदी के तट पर स्थित पुरातत्व स्थल है। इसकी खोज बी. पी. बोपर्दिकर ने की। इस स्थान की भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा तीन बाद खुदाई की जा चुकी है।

www.rajstudents.com

56. हड़प्पावासी किस धातु से परिचित नहीं थे ?
(अ) सोना एवं चाँदी (ब) ताँबा एवं कांसा
(स) टीन एवं सीसा (द) लोहा
उत्तर : (द) UPPCS 2016
व्याख्या– हड़प्पा सभ्यता एक कांस्ययुगीन सभ्यता थी। यहाँ से तांबा, कांसा, स्वर्ण और चाँदी आदि धातुएं तो मिली है परंतु लोहे की प्राप्ति नहीं हुई है। वस्तुतः हड़प्पाकालीन लोग लोहे से परिचित नहीं थे।

57. निम्नलिखित में से किस हड़प्पाकालीन स्थल से युगल शवाधान का साक्ष्य मिला है ?
(अ) कुन्तासी (ब) धौलावीरा
(स) लोथल (द) कालीबंगा
उत्तर : (स) UPPCS 2016
व्याख्या– सिन्धु सभ्यता में शवों को जलाने एवं गाड़ने की दोनों प्रथाएँ ही प्रचलित थीं। हड़प्पा में शवों को दफनाने की प्रथा विद्यमान थी जबकि मोहनजोदड़ों में जलाने की। लोथल एवं कालीबंगा से युगल शवाधान के साक्ष्य मिले हैं।

58. कपास का उत्पादन सर्वप्रथम सिन्धु क्षेत्र में हुआ, जिसे ग्रीक या यूनान के लोग किस नाम से पुकारते थे ?
(अ) सिन्डन (ब) कॉटन
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सबसे पहले कपास पैदा करने का श्रेय सिंधु सभ्यता के लोगों को है, इसलिए यूनान के लोग कपास को सिन्डन कहने लगे जो सिंधु शब्द से निकला है।

59. हड़प्पावासी लाजवर्द (भवन निर्माण सामग्री) का आयात कहाँ से करते थे ?
(अ) हिन्दूकुश क्षेत्र के बदख्शां से
(ब) ईरान से
(स) दक्षिण भारत से
(द) बलूचिस्तान से
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लाजवर्द एक मूल्यवान नीले रंग का पत्थर है जिसका आयात हड़प्पावासी हिन्दुकुश क्षेत्र के बदख्शां से करते थे।

60. अफगानिस्तान स्थित सिंधु सभ्यता के स्थल है–
(अ) मुंडीगाक (ब) मोहनजोदड़ो
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– हिन्दुकुश पर्वतमाला के पार अफगानिस्तान में सिंधु सभ्यता के दो स्थल क्रमशः मुंडीगाक एवं शोर्तगोई मिले हैं। पुरास्थल शोर्तगोई से नहरों के प्रमाण मिले हैं।

61. हड़प्पावासी किन–किन धातुओं का आयात करते थे ?
(अ) चाँदी (ब) टिन
(स) सोना (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– सिन्धु सभ्यता काल या हड़प्पा काल में ताँबे में टिन मिलाकर काँसा तैयार किया जाता था। हड़प्पावासी निम्नलिखि देशों से धातुओं का आयात करते थे–
1. टिन–अफगानिस्तान, ईरान
2. ताँबा–खेतड़ी (राजस्थान), बलूचिस्तान
3. चाँदी–ईरान, अफगानिस्तान
4. सोना–अफगानिस्तान, फारस, दक्षिणी भारत
5. लाजवर्द–मेसापोटामिया
6. सेलखड़ी–बलूचिस्तान, राजस्थान, गुजरात
7. नीलरत्न–बदख्शां
8. नीलमणि–महाराष्ट्र
9. हरितमणि–दक्षिण एशिया
10. शंख एवं कौड़ियां–सौराष्ट्र, दक्षिणी भारत
11. सीसा–ईरान, अफगास्तिान, राजस्थान
12. शिलाजीत–हिमालय क्षेत्र

62. कौन–कौनसे नगर सिंधु सभ्यता के बंदरगाह नगर थे ?
(अ) लोथल एवं सुत्कांगेनडोर
(ब) अल्लाहदीनों एव बालाकोट
(स) कुनतासी
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या–

63. किस हड़प्पाकालीन स्थल से पुजारी की प्रस्तर मूर्ति प्राप्त हुई है ?
(अ) हड़प्पा (ब) मोहनजोदड़ो
(स) लोथल (द) रंगपुर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पुजारी की प्रस्तर मूर्ति हड़प्पाकालीन स्थल हड़प्पा से प्राप्त हुई है।

64. किस सिंधुकालीन स्थल से एक ईंट पर बिल्ली का पीछा करते हुए कुत्ते के पंजों के निशान मिले हैं ?
(अ) हड़प्पा (ब) मोहनजोदड़ो
(स) चन्हूदड़ो (द) लोथल
उत्तर : (स)
व्याख्या– सिंधुकालीन स्थल चन्हूदड़ो से एक ईंट पर बिल्ली का पीछा करते हुए कुत्ते के पंजे के निशान मिले हैं। चन्हूदड़ो से लिपिस्टिक का प्रमाण मिला है। तत्कालीन समय में चन्हूदड़ो मनके और खिलौना उद्योग का महान् केन्द्र था।

www.rajstudents.com

65. किस हड़प्पाकालीन स्थल से नृत्य मुद्रा वाली स्त्री की कांस्य मूर्ति प्राप्त हुई है ?
(अ) मोहनजोदड़ो से (ब) कालीबंगा से
(स) हड़प्पा से (द) बणावली से
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में स्थित सैंधव सभ्यता स्थल मोहनजोदड़ो से एक कांस्य निर्मित नर्तकी की मूर्ति मिली है।

66. किस हड़प्पाकालीन स्थल से प्राप्त जार पर चोंच में मछली दबाए चिड़ियां एवं पेड़ के नीचे खड़ी लोमड़ी का चित्रांकन मिलता है, जो 'पंचतंत्र' के लोमड़ी की कहानी सदृश्य है ?
(अ) हड़प्पा (ब) मोहनजोदड़ो
(स) लोथल (द) रंगपुर
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोथल से प्राप्त एक भांड (बर्तन) पर चालाक लोमड़ी की कथा अंकित है।

67. स्वातंत्र्योत्तर भारत में सबसे अधिक संख्या में हड़प्पायुगीन स्थलों की खोज किस प्रांत में हुई है ?
(अ) गुजरात
(ब) राजस्थान
(स) पंजाब और हरियाणा
(द) उत्तर–पश्चिमी उत्तर प्रदेश
उत्तर : (अ)
व्याख्या– स्वतंत्रता प्रापित के पश्चात् हड़प्पा संस्कृति के सर्वाधिक स्थल गुजरात में खोजे गए हैं।

68. कथन (A) : हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो अब विलुप्त हो गए हैं।
कारण (R) : वे उत्खनन के दौरान प्रकट हुए थे।
(अ) A और R दोनों सही है तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
(ब) A और R दोनों सही है तथा R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(स) A सही है किन्तु R गलत है
(द) A गलत है किन्तु R सही है
उत्तर : (ब) UPPCS 2009
व्याख्या– पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त के साहीवाल (मोंटगोमरी) जिले में रावी नदी के तट पर हड़प्पा की खोज वर्ष 1921 ई. में दयाराम साहनी एवं माधोस्वरूप वत्स द्वारा की गई। पाकिस्तान के सिंध प्रान्त के लरकाना जिले में सिन्धु नदी के तट पर स्थित मोहनजोदड़ों की खोज 1922 ई. में राखालदास बनर्जी द्वारा की गई। वर्तमान में ये दोनों नगर विलुप्त स्थिति में है। इस प्रकार कथन और कारण दोनो सही हैं किन्तु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

69. निम्नलिखित में से कौनसी फसल हड़प्पाकालीन लोगों का मुख्य खाद्यान्न नहीं था ?
(अ) जौ (ब) दालें
(स) चावल (द) गेहूँ
उत्तर : (स)
व्याख्या– गैहूं और जौ सिंधु सभ्यता के लोगों के मुख्य खाद्यान्न थे। इसके अतिरिक्त इन लोगों को कपास, खजूर, तरबूज, मटर, राई, सरसों और तिल जैसी फसलों का भी ज्ञान था। बनावली से अच्छी किस्म का जौ प्राप्त हुआ है। लोथल से आटा पीसने की पत्थर की चक्की के दो पाट मिले हैं। सिंधु सभ्यता के मिट्टी के बर्तनों तथा मोहरों पर अनेक पेड़–पौधों का अंकन मिलता है जिनमें पीपल, खजूर, नीम, नींबू, केला आदि प्रमुख हैं।

70. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :

सूची–I (हड़प्पीय स्थल)	सूची–I (स्थिति)
A. मांडा	1. राजस्थान
B. दायमाबाद	2. हरियाणा
C. कालीबंगा	3. जम्मू–कश्मीर
D. राखीगढ़ी	4. महाराष्ट्र

(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 2, B – 3, C – 4, D - 1
(स) A – 3, B – 4, C – 1, D - 2
(द) A – 4, B – 1, C – 2, D - 3
उत्तर : (स) UPPCS 2010

71. किस पशु के अवशेष सिंधु घाटी सभ्यता में प्राप्त नहीं हुए हैं ?
(अ) शेर (ब) घोड़ा
(स) गाय (द) हाथी
उत्तर : (अ) CgPSC 2012
व्याख्या– हड़प्पा संस्कृति की मुहरों एवं टेराकोटा कलाकृतियों में शेर का चित्रण नहीं मिलता जबकि हाथी, गैंडा, बाघ, हिरन, भेड़ आदि का अंकन मिलता है।

72. चन्हूदड़ो के उत्खनन का निर्देशन किया था–
(अ) जे.एच. मैके ने (ब) सर जॉन मार्शल ने
(स) व्हीलर ने (द) सर ऑरेल स्टीन ने
उत्तर : (अ) UPPCS 2015
व्यायाः– चन्हूदड़ों की पहली बार खुदाई 1930 ई. में एन.जी. मजुमदार ने करवाई और उसके बाद वर्ष 1935–36 में अमेरिकी स्कूल ऑफ इंडिक एण्ड इरानियन तथा म्यूजियम ऑफ फाइन आर्ट्स, बोस्टन के दल ने अर्नेस्ट जॉन हेनरी मैके के नेतृत्व में खुदाई करवाई।

www.rajstudents.com

73. हड़प्पाकालीन स्थलों में अभी तक किस धातु की प्राप्ति नहीं हुई है ?
(अ) ताँबा (ब) स्वर्ण
(स) चाँदी (द) लोहा
उत्तर : (द) CgPSC 2012
व्याख्या– हड़प्पा सभ्यता एक काँस्ययुगीन सभ्यता थी। यहाँ से ताँबा, काँसा, स्वर्ण और चाँदी आदि धातुएँ मिली है किन्तु लोहा धातु की प्राप्ति नहीं हुई है। हड़प्पाकालीन लोग लोहे से परिचित नहीं थे। भारत में लौह युग का प्रारंभ उत्तर वैदिक काल (लगभग 1000 ई.पू.) से माना जाता है। आर्यों द्वारा निर्मित सभ्यता वैदिक सभ्यता कहलाई। आर्यों द्वारा खोजी गई धातु लोहा थी जिसे श्याम अयस् कहा जाता था। ताँबे को लोहित अयस् कहा जाता था।

74. सिन्धु घाटी सभ्यता के लिए मेसोपोटामिया सभ्यता में निम्नलिखित में से किस शब्द का प्रयोग किया गया था ?
(अ) दिलमुन (ब) मेलुहा
(स) मेगन (द) फेलका
उत्तर : (ब) NDA 2017
व्याख्या– मेसोपोटामिया के अभिलेखों में वर्णित 'मेलूहा' शब्द का अभिप्राय सिन्धु सभ्यता से ही है। मेसोपोटामिया का यूनानी अर्थ है–दो नदियों के बीच। यह इलाका दजला (टिगरिस) और फुरात (इयुफ्रेटीस) नदियों के बीच के क्षेत्र में पड़ता है। इसमें आधुनिक इराक का कुछ क्षेत्र (बाबिल जिला), उत्तरी–पूर्वी सीरिया, दक्षिण–पूर्वी तुर्की तथा ईरान का कुजेस्तान प्रांत के क्षेत्र शामिल है। यह कांस्ययुगीन सभ्यता का उद्‌गम स्थल माना जाता है। हड़प्पा सभ्यता को मेसोपोटामिया में 'मेलुहा' कहा गया है।

75. सिंधु सभ्यता निम्नलिखित में से किस युग में पड़ता है ?
(अ) ऐतिहासिक काल
(ब) प्रागैतिहासिक काल
(स) उत्तर–प्रागैतिहासिक काल
(द) आद्य ऐतिहासिक काल
उत्तर : (द) BPSC 1994
व्याख्या– सिंधु घाटी सभ्यता आद्य ऐतिहासिक काल की सभ्यता है, क्योंकि यहाँ पर लेखन कला का ज्ञान तो था, परन्तु अभी तक इसे पढ़ा नहीं जा सका है।

www.rajstudents.com